मिर्गी रोधक दवाएँ

मिर्गी

मिर्गी, को दौरों की बीमारी के रूप में भी जाना जाता है, जो एक ऐसी बीमारी है जो मस्तिष्क की कोशिकाओं की असामान्य गतिविधियों के कारण होती है। शुरूआत में, पूरे शरीर में मांसपेशियों की ऐंठन का एक दौरा और चेतना की अस्थायी क्षति होती है। मरीजों को, ज्यादातर मामलों में बार-बार और अस्थायी रूप में, अनियमित दौरे पड़ते हैं। बीमारी के अनेकों कारण हैं, जिनमें वंशानुगत कारक और मस्तिष्क की चोट शामिल हैं।

मिर्गी रोधक दवाएँ दौरे को नियंत्रित करने वाली दवाएँ हैं। नियमित उपचार मिर्गी के दौरों को दबा सकता है जिससे मरीज एक सामान्य जीवन जी सकता है। विभिन्न प्रकार की मिर्गी में विभिन्न प्रकार की मिर्गी रोधक दवाओं की आवश्यकता होती है। डॉक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार उपयुक्त दवाएँ लिखेंगे। कुछ मरीजों को कई प्रकार की दवाएँ लेने की आवश्यकता हो सकती है।

मुख्यत: इस्तेमाल की जाने वाली दवाएँ

1. फेनोबार्बिटल (पर्यायवाची: फेनोबार्बिटोन): यह केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को दबाकर विभिन्न प्रकार की मिर्गी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकती है और एक शामक प्रभाव को पैदा करती है।
2. फ़िनाइटोइन: इसका शामक प्रभाव कम होता है और इसका उपयोग अक्सर फ़िनोबार्बिटल के साथ विभिन्न प्रकार के मिर्गी के इलाज के लिए किया जाता है। इसका उपयोग मस्तिष्क की सर्जरी या सिर की चोट के कारण होने वाले दौरों को रोकने के लिए भी किया जा सकता है।
3. वैल्प्रोइक एसिड: यह आंतों द्वारा तेजी से अवशोषित होती है और यह विभिन्न प्रकार की मिर्गी पर काम करती है।

उपचार पर सलाह

1. रोगी को नियंत्रण बनाए रखने और दौरे की पुनरावृत्ति को कम करने के लिए बताई गई खुराक दीर्घ-अवधि के लिए निश्चित अंतराल पर लेनी होती है। निष्प्रभावी नियंत्रण चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के लिए एक संकेत है और डॉक्टर मरीज की अवस्थाओं के अनुसार खुराक को समायोजित कर सकता है। मनमाने तरीके से खुराक न बदलें। सुनिश्चित करें कि आपकी अगली चिकित्सीय भेंट तक आपके पास आपकी दवाओं का पर्याप्त भंडार है।
2. यदि आप खुराक को लेना भूल जाएँ, तो इसे जितनी जल्दी हो सके ले लें जब तक कि यह अगली निर्धारित खुराक को लेने का समय न हो। उस स्थिति में, छूटी हुई खुराक को छोड़ दें और निर्देश के अनुसार अगली खुराक लें लें। दोगुनी खुराक न लें।
3. कुछ मरीजों को दवा लेने के बाद पेट में दर्द हो सकता है। दवाओं को भोजन के बाद लेने से इस तरह की प्रतिक्रिया से बचा जा सकता है।

जीवन अनुरूपण

मरीज जिनकी स्थिति दवा के द्वारा पूरी तरह से नियन्त्रण में है वे मूल रूप से सामान्य लोगों से भिन्न नहीं होते। मिर्गी संक्रामक नहीं है और जो मरीज इस बीमारी से पीड़ित हैं वे एक सामान्य जीवन जी सकते हैं जैसे हर कोई जीता है।

मरीजों को अपने दैनिक जीवन में निम्नलिखित पर विशेष ध्यान देना चाहिए:

1. मरीजों को प्रतिबंधित आहार या अतिरिक्त विटामिनों की आवश्यकता नहीं होती है लेकिन उपचार के दौरान उन्हें मदिरा से दूर रहना चाहिए।
2. कुछ नौकरियों और खेल गतिविधियों से उन मरीजों को खतरा हो सकता है जिनकी स्थिति पूरी तरह से नियंत्रित नहीं है। अपने डॉक्टर के साथ अग्रिम परामर्श की अनुशंसा की जाती है।
3. मिर्गी से पीड़ित मरीजों द्वारा हांगकांग में ड्राइविंग लाइसेंस रखने पर प्रतिबंध है।
4. कुछ मिर्गी रोधक दवाएं अन्य दवाओं के साथ हस्तक्षेप कर प्रतिकूल प्रभाव देती हैं। अन्य दवाएं लेने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें।
5. जो महिलाएं मिर्गी से पीड़ित हैं यदि वे गर्भधारण करना चाहती हैं तो पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें। कुछ मिर्गी रोधक दवाओं (जैसे कि वल्प्रोइक एसिड), को अगर गर्भावस्था के दौरान लिया जाये, तो भ्रूण विकृति का कारण हो सकती हैं।
6. मरीजों को अपने साथ दवा का रिकॉर्ड और पहचान पत्र रखना चाहिए जो कि आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा उपचार के लिए स्वास्थ्य देखरेख विशेषज्ञों के लिए संदर्भ के रूप में काम करते हैं।
7. दौरा पड़ने की स्थिति में, मरीज के वायुमार्ग को साफ रखना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। परिवार के सदस्यों को मरीज के मुँह को जबरदस्ती नहीं खोलना चाहिए, जब तक कि ऐसा करना अति आवश्यक न हो।

दवाओं का भंडारण

दवाओं को ठंडी और सूखी जगह पर रखा जाना चाहिए। जब तक लेबल पर निर्दिष्ट न हो, दवाओं को रेफ्रीजरेटर में रखने की जरूरत नहीं होती। मुँह से ली जाने वाली दवाओं को बच्चों द्वारा निगले जाने के खतरे से बचने के लिए सही तरीके से संग्रहित किया जाना चाहिए।

दवा कार्यालय
स्वास्थ्य विभाग
जनवरी 2021